

छत्तीसगढ़ में वरिध प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के बलौदा बाज़ार ज़िले में अनुसूचित जात सतनामी समाज के कई सदस्यों ने अपने धार्मिक स्थल जैतखाम पर अतिक्रमण के वरिध में हसिक प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट भवन के एक हसिसे में आग लगा दी, वाहनों को क्षतगिरस्त किया तथा पुलिस के साथ झड़प की।

मुख्य बडि:

- जैतखाम, जसि वजिय स्तंभ भी कहा जाता है, का छत्तीसगढ़ के सतनामी समाज में महत्त्वपूर्ण स्थान है।
- यह एक पूजनीय धार्मिक प्रतीक है जो बुराई पर अच्छाई की वजिय और उक्त समाज की आध्यात्मिक वरिसत का प्रतिनिधित्व करता है
- अमर गुफा में स्थित जैतखाम (धार्मिक स्तंभ) एक उपासना स्थल और साथ ही सांस्कृतिक तथा धार्मिक समारोहों का मुख्य स्थल है, जो सतनामी समाज के व्यक्तियों की पहचान तथा इतिहास को दर्शाता है।
- बलौदा बाज़ार ज़िले के गरिधपुरी कस्बे में सतनामी समाज के जैतखाम धार्मिक स्थल पर तोड़-फोड़ की गई जिसके कारण यह वरिध प्रदर्शन किया गया।
- सतनामी समाज के सदस्य इस कृत्य को घोर अनादर तथा समाज की मान्यताओं एवं परंपराओं को क्षतपिहूँचाने का प्रयास मानते हैं।

सतनामी समाज

- छत्तीसगढ़ के सतनामी समाज के व्यक्त ब्रिटिश काल के दौरान बंगाल में सामाजिक-धार्मिक आंदोलन का गठन करने वाले व्यक्तियों का एक समूह थे
- इस आंदोलन की स्थापना और नेतृत्व बलिसपुर ज़िले के घासी दास ने किया था तथा उन्हें एक अछूत चरमकार माना जाता था।